

राजस्थान सरकार
आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग

पत्रांक: एफ 5(1) आ.प्र. एवं स.आ./गौशाला अनुदान/2014/7775-86
जिला कलेक्टर,(सहायता)
चित्तौड़गढ़ व कोटा (राज0)।

जयपुर,दिनांक: 16.6.15

विषय:- अभाव संवत् 2071 में रबी फसल खराबा रिपोर्ट के आधार पर अभावग्रस्त जिलों के अभावग्रस्त क्षेत्रों की पंजीकृत गौशालाओं के पशुओं को अनुदान स्वीकृत करने के संबंध में।

सन्दर्भ:- आपका पत्रांक: आ.प्र. एवं सहा/पशु संरक्षण/2015/574 दिनांक 29.5.2015 (चित्तौड़गढ़), एवं सहायता/2015/दिनांक 29.5.2015 (कोटा) के क्रम में।

महोदय,

राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना क्र. एफ1(3) आ.प्र.सआ/ओलावृष्टि/2015/3769-826 दिनांक 30.3.2015 से आपके जिले को रबी फसल खराबा रिपोर्ट के आधार पर अभावग्रस्त घोषित किया गया है। यह अवधि 31.07.2015 तक प्रभावी रहेगी। इस संबंध में निर्देशित किया जाता है कि अभाव संवत् 2071 में अनुदान स्वीकृत करने के लिए प्रस्ताव संचालित संस्था द्वारा निर्धारित शर्तों की पालना सुनिश्चित शपथ पत्र के साथ लेने की अनुशंसा पत्र दिनांक 29.5.2015 के आधार पर एवं भारत सरकार के पत्रांक 32-3/2013-NDM-I दिनांक 28.11.2013 के द्वारा जारी संशोधित SDRF/NDRF मानदण्डों के बिन्दु सं. 6(ii) के अनुसार अभाव संवत् 2071 में आपके जिले की निम्न पंजीकृत गौशालाओं द्वारा संधारित बड़े एवं छोटे पशुओं हेतु अनुदान निम्नानुसार शर्तों के अन्तर्गत स्वीकृति जारी की जाती है:-

जिला चित्तौड़गढ़

क्र. सं.	पंजीकृत गौशाला का नाम	गौशालाओं में संधारित पशुओं की संख्या		
		बड़े पशु	छोटे पशु	योग
1	श्री गोपाल गौशाला, चित्तौड़गढ़	128	85	213
2	श्री गुरुकुल गौशाला, चित्तौड़गढ़	35	19	54
3	श्री कृष्ण गोपाल गौशाला ऋषिमंगरी, चित्तौड़गढ़	262	281	543
4	बाघेश्वर गौशाला, चित्तौड़गढ़	122	18	140
5	गणेश गौशाला, बेगूं	58	13	71
6	आचार्य श्रीनानेश रूपरेखा श्री राम गौशाला, कपासन	43	16	59
7	श्री ब्राम्हणी माता गौशाला, कपासन	77	19	96
8	श्री महावीर एलवा मां गौशाला विकास समिति, डूंगला	135	76	211
9	श्री महावीर गोपाल गौशाला, डूंगला	252	50	302
10.	अम्बेशगुरु कृष्ण महावीर गौशाला, डूंगला	130	13	143
11.	श्री राम सेवा संस्थान गौशाला एवं संस्कार आश्रम, निम्बाहेड़ा	325	18	343
12.	श्री शेषावतार 1008 श्री कल्लाजी वेदपीठ एवं शोध संस्थान, निम्बाहेड़ा	42	19	61
13.	ओम शान्ति गौशाला एवं गौरक्षा सेवा समिति, बड़ीसादड़ी	240	10	250
14	सांवरिया जी गौशाला, भदेसर	1356	451	1807
15.	श्री पवनसुत गोपाल गौशाला, गंगरार	100	16	116
16.	श्री सत्यनारायण खाकीजी की कुई गौशाला चित्तौड़गढ़	68	39	107
	योग	3373	1143	4516

(Handwritten Signature)

जिला कोटा					
क्र. सं.	नाम तहसील	पंजीकृत गौशाला का नाम	बड़े पशु	छोटे पशु	योग
1.	कनवास	श्री कल्याण गौशाला समिति, जालिमपुरा	251	51	302
2.	कनवास	श्री बद्रीविशाल गौशाला, आवां	400	160	560
3.	कनवास	श्री कर्णेश्वर महादेव गौशाला, कनवास	85	45	130
4.	दीगोद	श्री गोपाल सेवा गौशाला सेवा समिति सुल्तानपुर	274	138	412
5.	रामगंजमण्डी	सतगुरु राणा रामपुरी जी गौशाला खीमच	50	25	75
6.	लाडपुरा	श्री कृष्ण मुरारी गौशाला दादाबाड़ी कोटा	118	152	270
7.	लाडपुरा	श्री पारस गौ सेवा समिति, रानपुर	53	28	81
8.	लाडपुरा	श्री आशाराम गौशाला समिति लखावा	325	195	520
9.	लाडपुरा	प्रज्ञाराम गुरु गौशाला समिति लखावा	94	28	122
10.	लाडपुरा	गुरु मरुधर केसरी जैन गौशाला समिति	85	40	125
11.	लाडपुरा	गायत्री गौशाला बंधा	141	98	239
12.	लाडपुरा	नगरनिगम गौशाला, बंधा	969	554	1523
13.	लाडपुरा	श्री गिरधर गौसेवा समिति	70	82	152
14.	लाडपुरा	गोविन्द गौशाला समिति	55	10	65
15.	सांगोद	मां गायत्री देव संस्कृति गौशाला समिति लटूरी	186	42	228
16.	सांगोद	श्री गोपाल गौशाला मेलखेड़ी	135	10	145
		योग :-	3291	1658	4949
		कुल योग :-	6664	2801	9465

इसी अनुक्रम में निम्न दिशा-निर्देशों की पालना भी सुनिश्चित की जावे:-

1. **अनुदान दर:-**

गौशालाओं द्वारा संधारित पशुओं के बड़े पशु हेतु 50/- रुपये तथा छोटे पशु हेतु 25/- रुपये प्रति पशु प्रतिदिन की दर से अनुदान देय होगा।

2. **पशु आहार-**

(i) निर्धारित दर से अनुदान उसी स्थिति में स्वीकृत किया जावे, जबकि गौशाला संचालको द्वारा संधारित किये जा रहे पशुओं को चारे के साथ-साथ कमशः 1 कि.ग्रा. पशु आहार बड़े पशुओं हेतु तथा 1/2 कि.ग्रा. पशु आहार छोटे पशुओं को उपलब्ध कराया जाता है। यदि निर्धारित दर पर पशु आहार उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो पशु आहार की राशि कमशः 11/- रुपये बड़े पशु तथा 5.50 रुपये प्रति छोटे पशु के हिसाब से अनुदान बिलों से काटी जाकर शेष रही राशि ही अनुदान स्वरूप स्वीकृत की जावे।

(ii) आर.सी.डी.एफ/राजफैड द्वारा निर्मित एवं राजफैड/आरसीडीएफ द्वारा क्रय कर आपूर्ति किया गया पशु आहार उपलब्ध कराये जाने पर ही अनुदान देय होगा।

3. **निरीक्षण मापदण्ड :-**

अनुदान हेतु अनुमत सभी गौशालाओं का माह में एक बार जिले में पदस्थापित विभिन्न अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जावे। निरीक्षण के लिए न्यूनतम मापदण्ड निम्न प्रकार से निर्धारित है:-

क्र.	नाम अधिकारी	न्यूनतम निरीक्षण	कार्य क्षेत्र
------	-------------	------------------	---------------

(Handwritten signature)

स.			
1.	तहसीलदार/विकास अधिकारी	25 प्रतिशत	तहसील/ पं. समिति
2.	उपखण्ड अधिकारी	10 प्रतिशत	उपखण्ड
3.	अति. जिला कलेक्टर/मुख्य कार्यकारी अधिकारी/अति.मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सम्मिलित रूप से)	5 प्रतिशत	जिला
4.	जिला कलेक्टर	यथासम्भव अधिकाधिक	जिला
5.	पशुपालन/चिकित्सा के आधिकारी	प्रत्येक गौशाला, माह में 2 बार	तहसील/ पं. समिति

4. अनुदान की देयता:-

यहा भी स्पष्ट किया जाता है कि कोई भी पंजीकृत गौशाला जिसके द्वारा पशुओं का संधारण किया जा रहा है, उसके लिए जिला कलेक्टर द्वारा स्वीकृति जारी किये जाने के उपरान्त ही अनुदान राशि देय होगी।

- (i) गौशालाओं द्वारा संधारित बड़े एवं छोटे पशुओं हेतु अनुदान गौशालाओं की तहसीलदार द्वारा की गई प्रथम निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर निरीक्षण दिनांक से देय होगा।
- (i) ऐसी पंजीकृत गौशालाओं की संचालन समिति में जिला कलेक्टर द्वारा सदस्य के रूप में एक प्रतिनिधि मनोनीत किया जावे तथा यह निर्देशित किया जावे कि गौशाला संचालन समिति की प्रत्येक बैठक की दिनांक की सूचना ऐसे प्रतिनिधि को समय पर दी जावे एवं वित्तीय प्रकृति से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निर्णय उसी बैठक में लिये जावे, जिसमें जिला कलेक्टर का प्रतिनिधि उपस्थित हो।
- (ii) गौशाला के लेखे जोखे सही एवं भली प्रकार से संधारित कराये जावें। गौशालाओं में निम्न लिखित रजिस्ट्रों का संधारण कराया जावें :-
 - क. खरीद एवं स्टॉक रजिस्टर
 - ख. पशुओं का रजिस्टर
 - ग. दैनिक खर्च रजिस्टर
 - घ. दैनिक खर्च का हिसाब
- (iii) जिला कलेक्टर, जिला पशु पालन अधिकारी अथवा उसके प्रतिनिधि द्वारा समय समय पर गौशालाओं का निरीक्षण किया जाकर यह सुनिश्चित किया जावे कि गौशालाओं के पशुओं का सही प्रकार से पोषण किया जा रहा है।

5. भुगतान:-

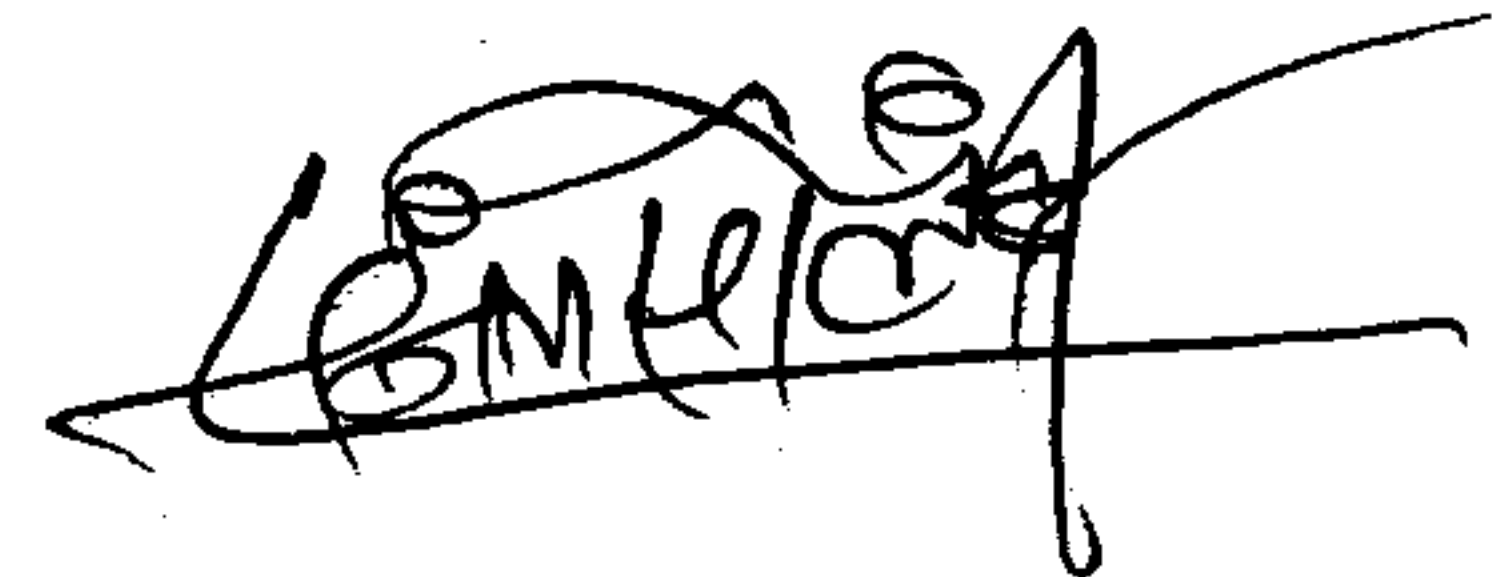
गौशाला द्वारा संरक्षित किये जा रहे पशुओं की संख्या का प्रमाणीकरण सम्बन्धित तहसीलदार द्वारा किये जाने के उपरान्त ही, गौशाला द्वारा प्रस्तुत मासिक बिलों के आधार पर अनुदान दिया जावे।

6. पशु संख्या:-

गौशालाओं के पशुओं की संख्या सक्षम अधिकारी, कम से कम उपखण्ड अधिकारी स्तर के अधिकारी से निरीक्षण व भौतिक सत्यापन के पश्चात पशुओं के लिए अनुदान हेतु प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्र में भिजवाया जाना सुनिश्चित करें, ताकि स्वीकृति के आदेश समय पर ही जारी किये जा सकें।

7. पशु संख्या में बढ़ोतरी :-

विगत वर्षों में यह देखा गया है कि जिला कलेक्टर द्वारा सूचित संख्या के आधार पर गौशाला अनुदान की स्वीकृति जारी की गई। उक्त संख्या बिना सक्षम अधिकारी के निरीक्षण के आधार पर बताई गई। गौशालाओं के पशुओं में वृद्धि होने की दशा में कम से कम तहसीलदार

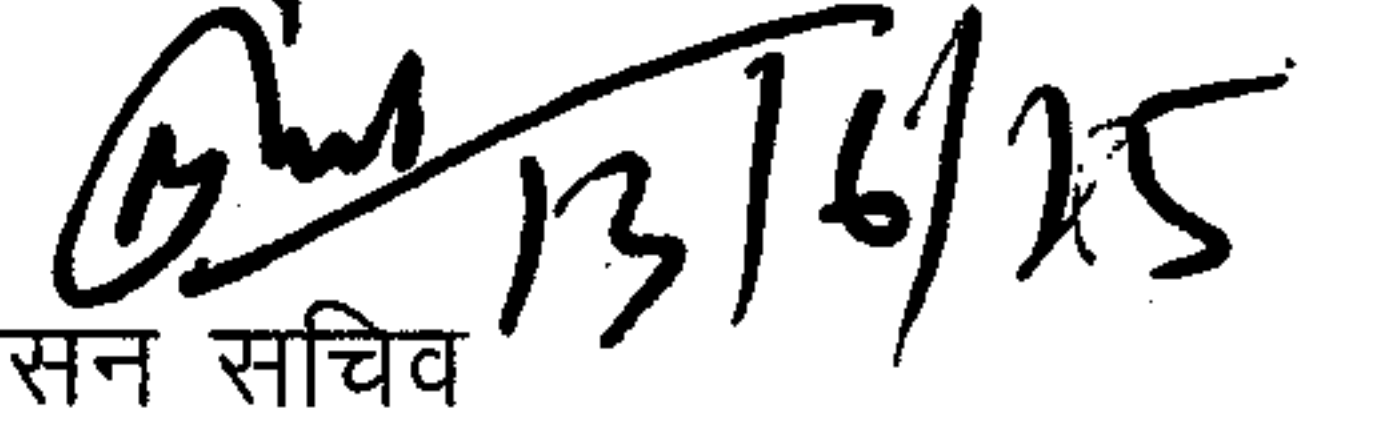


स्तर के अधिकारी से निरीक्षण व भौतिक सत्यापन के पश्चात् ही आगामी माह की 20 तारीख से पूर्व तक बढे हुए पशुओं के लिए अनुदान हेतु प्रस्ताव आवश्यक रूप से इस विभाग को भिजवाया जाना सुनिश्चित करें, ताकि बढी हुई संख्या के आधार पर स्वीकृति आदेश समय पर जारी किये जा सकें।

8. स्वीकृत गौशालाओं का मुख्यालय/जिला कलेक्टर द्वारा आकस्मिक निरीक्षण/ विडियो ग्राफी की जा सकेगी। आकस्मिक निरीक्षण में अनियमितता पायी जायेगी तो सम्बन्धित संस्था/संबन्धित कर्मचारी/अधिकारी के विरुद्ध कानूनी/विभागीय कार्यवाही की जा सकेगी।
9. किसी भी गौशाला संचालक संस्था जिसके माध्यम से गौशाला संचालित की जा रही है, उनके खिलाफ कोई जांच विचाराधीन है तो उन संस्थाओं की जांच के निस्तारण उपरान्त इन संस्थाओं को स्वीकृति दी जाये।
10. पंचायत/संस्था का नाम अंकित कर स्वीकृति जारी करते समय स्थल का नाम भी अंकित करावें।
11. इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा जारी पत्र क्र. एफ 5(1) आ.प. एवं सहा./गौ.अनु./ 14 / 2288-310 दिनांक 11.3.2015 जिसमें यह निर्देशित किया गया है कि गौशाला अनुदान 90 दिवस तक या अभाव अवधि (31 जुलाई, 2015 तक) जो भी पहले हो तक के लिए अनुमति दी जावे, किसी भी गौशाला को अभाव अवधि की अंतिम तिथि तक 90 दिवस से अधिक अवधि का भुगतान देय नहीं होगा।

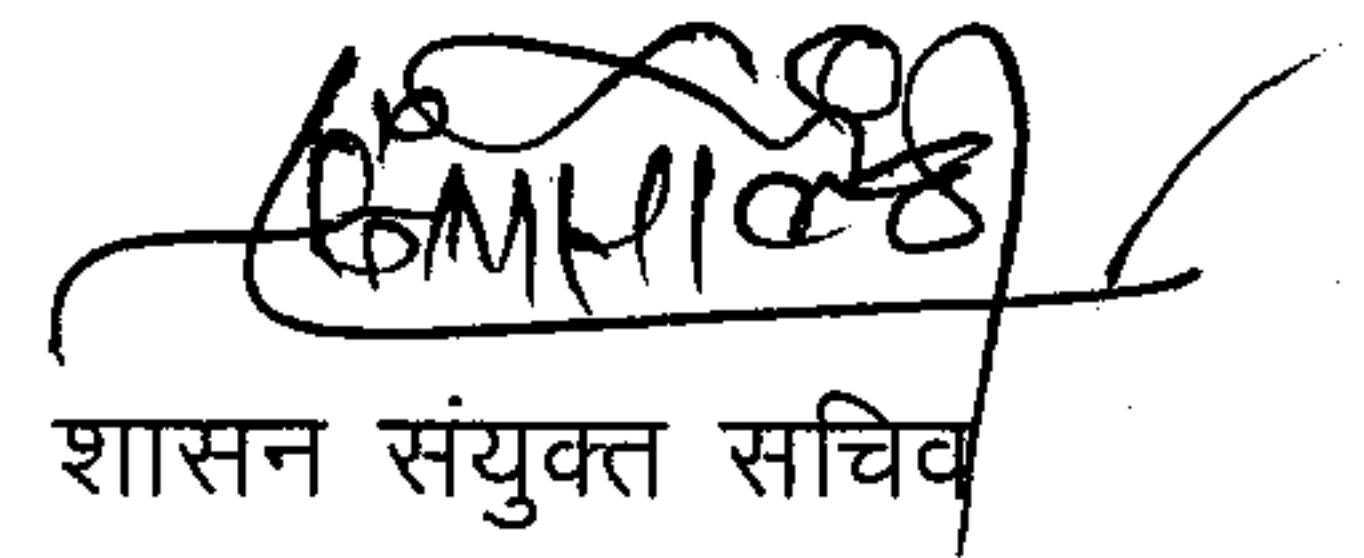
उपरोक्त निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जावे।

भवदीय,


शासन सचिव

प्रतिलिपि:— सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:—

1. सचिव, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, राज0., जयपुर।
2. विशिष्ट सहायक, मंत्री, आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग, राज., जयपुर।
3. उप सचिव, मुख्य सचिव महोदय, राज0, जयपुर।
4. निजी सचिव, अति.मुख्य सचिव पशुपालन एवं प्रबन्ध निदेशक, आरसीडीएफ, जयपुर।
5. निजी सचिव, प्रमुख सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जयपुर।
6. निजी सचिव, शासन सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग, राज0., जयपुर।
7. निजी सचिव, सम्भागीय आयुक्त, कोटा एवं उदयपुर।
8. वित्तीय सलाहकार, आ0प्र0 एवं सहायता विभाग, राज0, जयपुर।
9. समस्त अधिकारीगण, आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग, राज0., जयपुर।
10. प्रोग्रामर, आ.प्र.एवं सहायता विभाग, जयपुर।
11. गार्ड फाईल।


शासन संयुक्त सचिव